DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I would also like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

DR. KANIMOZHI NVN SOMU (Tamil Nadu): Sir, I would also like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I would also like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I would like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Thank you, Sandosh Kumarji. See the advantage of smooth running of the House. Shri Harbhajan Singh.

Attacks on the Gurudwaras and Sikhs in Afghanistan

श्री हरभजन सिंह (पंजाब) : माननीय सभापति महोदय जी, सबसे पहले तो मैं आप सबका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं कि मुझे आज यहां पर बोलने का मौका मिल रहा है और मैं आप सबके बीच में आया हूं।

माननीय महोदय जी, मैं अफगानिस्तान में गुरुद्वारे और सिखों के ऊपर हो रहे हमलों के बारे में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसने न केवल दुनिया के किसी भी कोने में रहने वाले हर सिख की भावना को आहत किया है, बल्कि यह सिख होने की पहचान पर ही एक हमला है। इस तरह के हमले हमें कई सवाल करने के लिए मजबूर कर देते हैं। ऐसे हमले हमारे ऊपर ही क्यों? हमें ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है? दुनिया भर के गुरुद्वारों में कोविड के दौरान भोजन, ऑक्सीजन और हर तरीके की चीज़ें लोगों के लिए उपलब्ध करवाई थीं। स्वतंत्रता के बाद के समय की बात करूं, तो देश के सिखों के योगदान के बारे में हम सबको पता है। जीडीपी की बात करूं, रोजगार की बात करूं या दान-धर्म की बात करूं, तो सिख हमेशा सबसे आगे रहे हैं। सिख समुदाय भारत और अन्य देशों के बीच संबंधों में एक मजबूत कड़ी रहा है। वे अपने साहस, पराक्रम और कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं। ये सब होने के बावजूद हमारे साथ ऐसा सलूक क्यों हो रहा है?

महोदय, 18 जून को काबुल में दशमेश पिता गुरु गोबिंद सिंह जी के करते परवान में कई धमाके हुए, परिसर की ओर जाने वाले किले के दरवाजों के बाहर उग्रवादियों ने गोलियां चला दीं, जिसमें दो लोगों की मृत्यु हुई और कई लोग घायल हुए।

25 मार्च, 2020 को आईएसआईएस के आत्मघाती बंदूकधारी हमलावरों ने काबुल के गुरुद्वारा हर राय साहिब पर हमला किया। बताया जा रहा है कि इमारत में करीब दो सौ लोग थे,

जिनमें बच्चों समेत 25 सिखों की मौत हो गई। हर राय साहिब गुरुद्वारा हमले में मारे जाने वाले जो लोग थे, उनके अंतिम संस्कार के अगले दिन फिर से एक और हमला हुआ।

2018 में आत्मघाती हमलावरों ने पूर्वी शहर जलालाबाद में एक सभा पर हमला किया। मैं आपको बताना चाहता हूं कि अफगानिस्तान कभी हजारों सिखों और हिन्दुओं का घर था, लेकिन दशकों के संघर्ष के कारण यह संख्या अब कम होकर मुट्ठी भर रह गई है। 1980 के दशक में अफगानिस्तान में दो लाख बीस हजार सिख और हिन्दू रहते थे। 1990 के दशक की शुरुआत में यह आंकड़ा गिरकर 15 हजार और 2016 में गिरकर 1,350 हो गया। जलालाबाद के हमले के समय वहां 1,500 सिख थे। उसके बाद लोगों ने यह सोचा कि अब हम यहां नहीं रह सकते। तालिबान के सत्ता में लौटने तक 300 सिख और कम हो गये हैं, इस प्रकार अब वहां केवल डेढ़ सौ के आस-पास सिख हैं।

श्री सभापति : हरभजन जी, ज़ीरो ऑवर में केवल तीन मिनट का टाइम ही देते हैं, आपने अच्छा और महत्वपूर्ण विषय उठाया है।

श्री हरभजन सिंह : सर, मैं कुछ और कहना चाहता हूं।

श्री सभापति : मैं आपको अलाऊ करूंगा, लेकिन वह रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा।

श्री हरभजन सिंह : मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि वह इन हमलों को अत्यंत गम्भीरता से ले।

श्री सभापति : हरभजन जी हमारे जाने-माने क्रिकेटर हैं, यह बात सबको मालूम है। इन्होंने जो विषय उठाया है, वह बहुत महत्वपूर्ण विषय है, मेरे ख्याल से विदेश मंत्री उसके ऊपर और ध्यान देंगे।

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (Karnataka): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SANJAY SINGH (National Capital Territory of Delhi): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir,I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SANT BALBIR SINGH (Punjab): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI VIKRAMJIT SINGH SAHNEY (Punjab): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MS. DOLA SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. RADHA MOHAN DAS AGARWAL (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. JOHN BRITTAS (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री नीरज डांगी (राजस्थान) : महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री अजय प्रताप सिंह (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती फूलो देवी नेतम (छत्तीसगढ़) : महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ABDUL WAHAB (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI M. MOHAMED ABDULLA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI JOSE K. MANI (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. V. SIVADASAN (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. KANIMOZHI NVN SOMU (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Jawhar Sircar - absent. Dr. Amee Yajnik.

Need for urgent measures to make cancer treatment affordable

DR. AMEE YAJNIK (Gujarat): Thank you, Sir, for giving me this opportunity to raise a very important issue. The issue relates to cancer patients. Recent report of the Indian Council for Medical Research shows that the number of Indians suffering from cancer is projected to increase to 29.8 million in 2025, which was earlier 26.7 million in 2021.

There is also a question that was asked in the Lok Sabha, and there, the Health Minister had replied to that question and said that out of 1,40,67,894 cases of cancer in the world in 2012, India reported 10,57,204 cases. That means, 7.5 per cent of global cancer burden was shared by India. So, every thirteenth cancer patient is an Indian in the world. This is a very gross situation and this also shows that we need access for the cancer treatment and the facilities should be a major issue affecting the nation.

Every year, 1.5 million new cases are diagnosed. Cancer centres are mostly in cities and people coming from villages have to travel far and wide to see that the patient gets cancer care. That is also expensive. That jeopardises their livelihood because they have to see that care continuity is there for the patient, not to talk about the trauma of the patient and the relatives. I would request to the Government, through you, and especially urge that there should be more investment in the